आरआर कैट के साइंटिस्ट डॉ. शोवन मजूमदार ने तैयार की आंको डायग्नोस्कोप मशीन, अभिनेता-राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने किया लोकार्पण

30 सेकंड में बिना चीरफाड़ के पता लग जाएगा 'कैंसर है या नहीं'

'कैंसर इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट-हाऊ टू मैनेज' थीम पर हुआ कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ । देश-विदेश के 900 से ज्यादा कैंसर स्पेशलिस्ट इंदौर आए । 5 लाख लोगों को मुंह और 4 लाख महिलाओं को है बच्चेदानी का कैंसर । मशीन की लागत है 4 लाख रुपए कैंसर के इलाज के लिए साबित होगी वरदान

आरआर कैट, इंदौर (राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र) में पूर्व केंद्रीय मंत्री और अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने दुनिया की आधुनिकतम मशीन का लोकार्पण किया।

IAmIndore • इंदौर

editor@peoplessamachar.co.in

इंडियन सोसायटी ऑफ आंकोलॉजी और इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक आंकोलॉजी द्वारा तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस (आईएसओ-आईएसएमपीओ) का शुभारंभ होटल सयाजी में शुक्रवार को हुआ। इसमें भाग लेने देश के अलावा, अमेरिका, इंग्लैंड, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, मालदीव, सऊदी अरब के 900 से भी ज्यादा कैंसर स्पेशलिस्ट आए हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. एमएस गुजराल, सचिव डॉ. एसएस नैयर ने बताया कि कॉन्फ्रेंस की थीम 'कैंसर इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट-हाऊ टू मैनेज' है। इसका मकसद कैंसर के इलाज के लिए दुनियाभर में चल रही रिसर्च और उनके परिणामों से कैंसर प्रैक्टिसनर्स को रूबरू कराना है। कॉन्फ्रेंस के पहले दिन मुंह और बच्चेदानी का कैंसर का पता लगाने वाली भारतीय तकनीक से बनी दुनिया की आधुनिकतम मशीन का लोकार्पण आरआर कैट, इंदौर (राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र) में पूर्व केंद्रीय मंत्री और अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने किया। मशीन की खासियत है कि वह मात्र 30 सेकंड में बगैर चीरफाड़ के पता लगा लेती है कि कैंसर है या नहीं। यह मशीन कैट के साइंटिस्ट डॉ. शोवन मजूमदार द्वारा बनाई गई है। वे इसे बनाने में कई सालों से लगे थे। डॉ. शोवन ने जानकारी दी कि इस मशीन की कीमत केवल 4 लाख है और इससे जो जांच की जाएगी, उसके लिए कोई भी भुगतान नहीं करना पड़ेगा।

पीएम मोदी ने यूएन में किया था जिक्र

डॉ. शोवन ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएन में अपने भाषण में भी इस मशीन का जिक्र किया था और इसे दुनिया के लिए एक सौगात बताया था। देश भर में 5 लाख लोगों को मुंह का कैंसर है, जबकि 4 लाख महिलाओं को बच्चेदानी का कैंसर है। ये मशीन कैंसर के इलाज के लिए वरदान साबित होगी।

एमवायएच और जबलपुर के सरकारी अस्पताल को भेजी जाएगी- डॉ. शोवन ने बताया कि अभी तक कुल 10 मशीनों का निर्माण किया गया है। इनमें से एक मशीन एमवायएच के लिए सांसद शंकर लालवानी ने अपनी निधि से खरीदा है और दूसरी जबलपुर सरकारी अस्पताल के लिए भेजी जा रही है। एक मशीन को केट में रखा जाएगा। बाकी 7 मशीनें बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगी। भविष्य में जैसी जरूरतें पड़ेगी, इनका निर्माण किया जाएगा।

देश में हर साल लगभग 10 लाख लोगों की मौत कैंसर से होती है

इस कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए विदेशों से बड़ी संख्या में कैंसर स्पेशलिस्ट आए हैं। कॉन्फ्रेंस के पहले दिन तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। जिसमें देश भर से आए कैंसर स्पेशलिस्ट ने कैंसर की बीमारी की जटिलता, इसके ईलाज के लिए आई आधुनिक तकनीको और भविष्य में कैंसर के इलाज के स्वरुप पर चर्चा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अहमदाबाद से आए डॉ. जवेश डी पटेल ने कहा कि कैंसर लगातार भयावह होता जा रहा है। पहले कैंसर के मामले चर्चा में होते थे क्योंकि बहुत कम कैंसर होता था। अब मामले इतने बढ़ गये हैं कि चर्चा भी नहीं होती। देश में हर साल 10 लाख लोग कैंसर से मरते हैं। लगभग 15 से 18 लाख नए लोगों को कैंसर होता है। इस समय में देश में 60 लाख लोग कैंसर से जूझ रहे हैं। लोग तंबाकू को मुंह में दबाए रखते हैं, जो मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। सरकार को चाहिए कि वे कक्षा 5वीं से 10वीं तक के बच्चों के लिए हेल्थ एजुकेशन अनिवार्य करें, ताकि समाज स्वस्थ्य रहे। इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक आंकोलॉजी बैंगलोर के अध्यक्ष डॉ. के गोविंद बाबू ने कहा कि आज भी कैंसर के कई सारे कारण तो पता ही नहीं चल पाए हैं, लेकिन वेस्टर्न लाइफ स्टाइल कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। फास्ट फूड, स्मोकिंग, ड्रिंकिंग हेबिट्स के कारण बॉडी फेट बढ़ता है और यही फेट कंटेंट कैंसर व अन्य बीमारियों का कारण है। डॉ. एसएस नैयर ने बताया कि देश भर में 5 लाख लोगों को मुंह का कैंसर है जबकि 4 लाख महिलाओं को बच्चेदानी का कैंसर है।

समाज को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी की जाए हेल्थ एजुकेशन

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

तीन दिनी 'कैंसर इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट हाऊ टू मैनेज बेटर' कॉन्फ्रेंस

कैंसर लगातार भयावह होता जा रहा है। पहले कैंसर के मामले चर्चा में होते थे, क्योंकि कम होते थे, लेकिन अब यह इतना बढ़ गया है कि चर्चा भी नहीं होती। देश में हर साल करीब दस लाख लोग कैंसर से मरते हैं और करीब 15 से 18 लाख नए लोगों को कैंसर होता है। वर्तमान में देश के 60 लाख लोग इस बीमारी का शिकार हैं। लोग तंबाकू को मुंह में दबाए रखते हैं, जो मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है।

यह बात अहमदाबाद से आए डॉ. जयेश डी पटेल ने विजय नगर स्थित एक होटल में इंडियन सोसायटी ऑफ ऑन्कोलॉजी और इंडियन सोसायटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी द्वारा शुक्रवार से आयोजित की गई तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस में कही। वे 'कैंसर इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट हाऊ टू मैनेज बेटर' थीम पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार कक्षा 5वीं से 10वीं तक के बच्चों के लिए हेल्थ एजुकेशन अनिवार्य करे ताकि समाज स्वस्थ रहे।

डॉ. जयेश डी पटेल

अब भी पता नहीं चले कई कारण

इंडियन सोसायटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी बंगलुरू के अध्यक्ष डॉ. के गोविंद बाबू ने बताया कि आज भी कैंसर के कई सारे कारण तो पता ही नहीं चल पाए हैं, लेकिन वेस्टर्न लाइफ स्टाइल कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। फास्ट फूड, स्मोकिंग, ड्रिंकिंग हेबिट्स के कारण बॉडी फेट बढ़ता है और यही फेट कंटेंट कैंसर व अन्य बीमारियों का कारण है। कार्यक्रम में देशभर से आए कैंसर स्पेशलिस्ट ने कैंसर की जटिलता, इसके इलाज के लिए आई आधुनिक तकनीकों और भविष्य में कैंसर के इलाज के स्वरूप पर बात की। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. एमएस गुजराल, सचिव डॉ. एसएस नैयर ने बताया कि कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कैंसर के इलाज के लिए दुनियाभर में चल रही रिसर्च और उनके परिणामों से कैंसर प्रेक्टिशनर्स को रूबरू कराना है। कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका, इंग्लैंड, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, मालदीव, सऊदी अरब से भी बड़ी संख्या में कैंसर स्पेशलिस्ट आए हैं।

30 सेकंड में कैंसर का पता लगाएगी आंको डायग्नो स्कोप

कॉन्फ्रेंस का औपचारिक शुभारंभ आरआर केट राजेंद्र नगर में हुआ, जिसमें अभिनेता व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शत्रुघ्न सिन्हा, केट के साइंटिस्ट डॉ. शोवन मुजूमदार द्वारा कैंसर की जांच के लिए तैयार मशीन आंको डायग्नो स्कोप का लोकार्पण किया गया। कई सालों से डॉ. शोवन इस मशीन को बनाने में लगे थे। चार लाख लागत की इस मशीन की खासियत है कि यह मुंह और बच्चेदानी के कैंसर का पता केवल 30 सेकंड में बगैर चीर-फाड़ के लगा लेती है। इसकी जांच की कीमत कुछ भी नहीं होती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएन में अपने भाषण में इस मशीन का जिक्र करते हुए दुनिया के लिए इसे सौगात बताया था। डॉ. एसएस नैयर ने बताया कि देशभर में 5 लाख लोगों को मुंह का कैंसर है, जबकि 4 लाख महिलाओं को बच्चेदानी का कैंसर है। ये मशीन कैंसर के इलाज के लिए वरदान साबित होगी। कॉन्फ्रेंस के दौरान 2 व 3 नवंबर को तकनीकी सत्रों का आयोजन विजय नगर स्थित होटल में किया जाएगा, जिसमें देशभर के स्पेशलिस्ट कैंसर को लेकर चल रही खोजों पर चर्चा करेंगे व इस बीमारी के बेहतर निदान की तकनीकों पर राय देंगे।

हर साल 10 लाख लोग मरते हैं कैंसर से

कैंसर स्पेशलिस्ट की तीन दिवसीय कांफ्रेंस शुरु

इंदौर 1 नवंबर. इंडियन सोसायटी आफ ऑकोलॉजी और इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑकोलॉजी द्वारा तीन दिवसीय कांफ्रेंस का शुभारंभ हुआ. कांफ्रेस के पहले दिन मुंह और बच्चेदानी का कैंसर का पता लगाने वाली भारतीय तकनीक से बनी दुनिया की आधुनिकतम की मशीन का लोकार्पण पूर्व केंद्रीय मंत्री और अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने किया. इस मशीन की खासियत है कि यह मात्र 30 सेकंड में बगैर चिरफाड के पता लगा लेती है कि कैंसर है या नहीं.

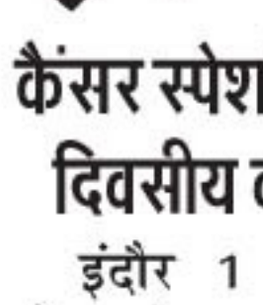

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अहमदाबाद से आए डॉ. जयेश डी पटेल ने कहा कैंसर लगातार भयावह होता जा रहा है. पहले कैंसर के मामले चर्चा में होते थे क्योंकि कम होते थे. मामले इतने बढ़ गये हैं कि चर्चा भी नहीं होती. देश में हर साल 10 लाख लोग कैंसर से मरते है और लगभग 15 से 18 लाख नए लोगो को कैंसर होता है. इस समय में देश में 60 लाख लोग कैंसर से जुझ रहे है. लोग तंबाकू को मुंह में दबाए रखते है जो मुंह के कैंसर का सबसे बडा कारण

है. सरकार को चाहिए की वे कक्षा 5वी से 10वी तक के बच्चों के लिए हेल्थ एजुकेशन अनिवार्य करे ताकि समाज स्वस्थ्य रहे.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑकोलॉजी बैंगलोर के अध्यक्ष डॉ. के. गोविदं बाबू ने बताया कि आज भी कैंसर के कई सारे कारण तो पता ही नहीं चल पाए है.

लेकिन वेस्टर्न लाईफ स्टाईल कैंसर का सबसे बडा कारण है. फास्ट फूड, स्मोकिंग, ड्रिकिंग हेबीट्स के कारण बॉडी फेट बढता है। और यही फेट कंटेंट कैंसर व अन्य बीमारियों का कारण है. आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. एम.एस. गुजराल, सचिव डॉ. एसएस नैयर ने बताया कि कैंसर इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट- हाउ टू मैनेज बेटर थीम पर आयोजित यह कॉन्फ्रेंस होटल सयाजी में शुरु हुई. इसका मकसद कैंसर के इलाज के लिए दुनियाभर मैं चल रही रिसर्च और उनके परिणामों से कैंसर प्रैक्टिसनर्स को रूबरू कराना है. इस कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए देश भर से 900 से ज्यादा कैंसर स्पेशलिस्ट इंदौर आए. कांफ्रेस के पहले दिन तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें देश भर से आए कैंसर स्पेशलिस्ट ने कैंसर की बीमारी की जटिलता, इसके ईलाज के लिए आई आधुनिक तकनीको और भविष्य में कैंसर के ईलाज के स्वरुप पर बात की.

कैंसर का पता लगाने वाली मशीन का लोकार्पण

इस कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका, इंग्लैंड , बांग्लादेश नेपाल , भूटान , मालदीव, सऊदी अरब से भी बड़ी संख्या में कैंसर स्पेशलिस्ट इस आए है । कांफ्रेंस का औपचारिक शुभारंभ शाम को आरआर केट राजेंद्र नगर में हुआ जिसमें जाने–माने अभिनेता व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शत्रुघ्न सिन्हा केट के साइंटिस्ट डॉ शोवन मजूमदार द्वारा कैंसर की जांच के लिए तैयार मशीन आंको डायग्नो स्कोप का लोकार्पण.किया। पिछले कई सालों से डॉ शोवन इस मशीन को बनाने में लगे थे । महज 400000 रु. लागत की इस मशीन की खासियत है कि इससे मुंह और बच्चेदानी का कैंसर केवल 30 सैकंड में पता लग सकता है और इसकी जांच की कीमत कुछ भी नहीं होती. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएन में अपने भाषण में इस मशीन का जिक्र किया था और इसे दुनिया के लिए एक सौगात बताया था.

पांच लाख लोगों को मुंह का कैंसर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ एसएस नैयर ने बताया कि देशभर में 5 लाख लोगों को मुंह का कैंसर है जबकि 4 लाख महिलाओ को बच्चेदानी का कैंसर है। ये मशीन कैंसर के ईलाज के लिए वरदान साबित होगी. कॉन्फ्रेंस के दौरान 2 व 3 नवंबर को तकनीकी सत्रों का आयोजन होटल सयाजी में किया जाएगा जिसमें देशभर के स्पेशलिस्ट कैंसर को लेकर चल रही खोजों पर चर्चा करेंगे एवं इस बीमारी को के बेहतर निदान की तकनीकों पर अपनी राय देंगे.

वेस्टर्न लाइफ स्टाईल कैंसर का सबसे बड़ा कारण, कैंसर स्पेशलिस्ट की तीन दिवसीय कांफ्रेंस शुरू

हर छह सैंकड में होती है एक कैंसर के मरीज की मौत

इन्दौर।

इंडियन सोसायटी आफ ऑन्कोलॉजी और इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी द्वारा तीन दिवसीय कांफ्रेंस का शुभारंभ हुआ। कांफ्रेंस के पहले दिन मुंह और बच्चेदानी का कैंसर का पता लगाने वाली भारतीय तकनीक से बनी दुनिया की आधुनिकतम की मशीन का लोकार्पण पूर्व केंद्रीय मंत्री और अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के करकमलों द्वारा हुआ। इस मशीन की खासियत है कि यह मात्र 30 सेकंड में बगैर चिरफाड के पता लगा लेती है कि कैंसर है या नही।

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. एस एस गुजराल, सचिव डॉ एसएस नैयर ने बताया कि «कैंसर इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट - हाउ टू मैनेज बेटर» थीम पर आयोजित यह कांफ्रेंस होटल सयाजी में शुरू हुई। इसका मकसद कैंसर के इलाज के लिए दुनियाभर में चल रही रिसर्च और उनके परिणामों से कैंसर प्रैक्टिशनर्स को अवगत कराना है। इस कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए देश भर से 900 से ज्यादा कैंसर स्पेशलिस्ट इंदौर आए। कांफ्रेंस के पहले दिन तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें देश भर से आए कैंसर स्पेशलिस्ट ने कैंसर की बीमारी की जटिलता, इसके ईलाज के लिए आई आधुनिक तकनीकों और भविष्य में कैंसर के ईलाज के स्वरूप पर बात की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अहमदाबाद से आए डॉ जयेश डी पटेल ने कहा कैंसर लगातार भयावह होता जा रहा है। पहले कैंसर के मामले चर्चा मे होते थे क्योंकि कम होते थे। मामले इतने बढ़ गये है कि चर्चा भी नही होती। देश मे हर साल 10 लाख लोग कैंसर से मरते है। और लगभग 15 से 18 लाख नए लोगो को कैंसर होता है। इस समय मे देश मे 60 लाख लोग कैंसर से जूझ रहे है। लोग तंबाकू को मुंह मे दबाए रखते है जो मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। सरकार को चाहिए की वे कक्षा 5 वी से 10 वी तक के बच्चो के लिए हेल्थ एजुकेशन अनिवार्य करे ताकि समाज स्वस्थ रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी बैंगलोर के अध्यक्ष डॉ के गोविंद बाबू ने बताया कि आज भी कैंसर के कई सारे कारण तो पता ही नही चल पाए है। लेकिन वेस्टर्न लाईफ स्टाईल कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। फास्ट फूड, स्मोकिंग, ड्रिंकिंग बेवीरेज्स के कारण बॉडी फेट बढ़ता है। और यही फेट कटिंग कैंसर व अन्य बीमारियों का कारण है।

कैंसर का पता लगाने वाली दुनिया की आधुनिकतम मशीन का लोकार्पण

इस कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका, इंग्लैंड, बांग्लादेश नेपाल, भूटान, मालदीव, सऊदी अरब से भी बड़ी संख्या में कैंसर स्पेशलिस्ट इस आए है। कांफ्रेंस का औपचारिक शुभारंभ सांय 6:30 बजे आरआर कैट राजेंद्र नगर मे हुआ जिसमें जाने-माने अभिनेता व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शत्रुघ्न सिन्हा कैट के साइंटिस्ट डॉ शोभन मजूमदार द्वारा कैंसर की जांच के लिए तैयार मशीन ओंको डायग्नो स्कोप का लोकार्पण किया। पिछले कई सालों से डॉ शोभन इस मशीन को बनाने में लगे थे। महज 400000 रु. लागत की इस मशीन की खासियत है कि इससे मुंह और बच्चेदानी का कैंसर केवल 30 सैकंड में पता लग सकता है और इसकी जांच की कीमत कुछ भी नही होती।

कॉन्फ्रेंस के दौरान 2 व 3 नवंबर को तकनीकी सत्रों का आयोजन होटल सयाजी में किया जाएगा। जिसमें देशभर के स्पेशलिस्ट कैंसर को लेकर चल रही खोजो पर चर्चा करेंगे एवं इस बीमारी को के बेहतर निदान की तकनीकों पर अपनी राय देंगे।

30 सेकंड में पता चल जाएगा कैंसर का

भारतीय तकनीक से बनी दुनिया की आधुनिकतम मशीन आंको डायग्नो स्कोप का हुआ लोकार्पण,

केट के साइंटिस्ट डॉ. शोवन मजूमदार कई सालों से लगे थे मशीन बनाने में

इंदौर। इंडियन सोसायटी ऑफ ऑकोलॉजी और इंडियन सोसायटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑकोलॉजी की ओर से तीन दिवसीय कांफ्रेंस की शुरुआत शुक्रवार से हुई। कांफ्रेंस के पहले दिन मुंह और बच्चेदानी का कैंसर का पता लगाने वाली भारतीय तकनीक से बनी दुनिया की आधुनिकतम मशीन आंको डायग्नो स्कोप का लोकार्पण अभिनेता व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शत्रुघन सिंहा और केट के साइंटिस्ट डॉ. शोवन मजूमदार ने किया। मशीन की खासियत है कि मात्र 30 सेकंड में बगैर चिरफाड़ के पता लगा लेती है कि कैंसर है या नहीं।

कांफ्रेंस का औपचारिक शुभारंभ आरआरकेट में हुआ। पिछले कई सालों से डॉ. शोवन इस मशीन को बनाने में लगे हुए थे। महज चार लाख रुपए की लागत की इस मशीन की खासियत है कि इससे मुंह और बच्चेदानी का कैंसर केवल 30 सेकंड में पता लग सकता है और जांच की कीमत कुछ भी नहीं होती।

वेस्टर्न लाइफ स्टाइल कैंसर का सबसे बड़ा कारण

इंडियन सोसायटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑकोलॉजी बैंगलोर के अध्यक्ष डॉ. गोविंद बाबू ने बताया कि आज भी कैंसर के कई सारे कारण तो पता ही नहीं चल पाए हैं, लेकिन वेस्टर्न लाइफ स्टाइल कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। फास्ट फूड, स्मोकिंग, ड्रिंकिंग हेबीट्स के कारण बॉडी फेट बढ़ता है और यही फेट कंटेंट कैंसर व अन्य बीमारियों का कारण है। इस कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका, इंग्लैंड, बांग्लादेश, नेपाल अन्य देश से बड़ी संख्या में कैंसर स्पेशलिस्ट आए। अहमदाबाद से आए डॉ. जयेश डी. पटेल का कहना हैं कैंसर लगातार भयावह होता जा रहा है। पहले कैंसर के मामले चर्चा में होते थे क्योंकि कम हेाते थे। मामले इतने बढ़ गए कि चर्चा भी नहीं होती। देश में हर साल 10 लाख लोग कैंसर से मरते हैं और लगीाग 15 से 18 लाख नए लोगों को कैंसर होता है। इस समय देश में 60 लाख लोग कैंसर से जूझ रहे हैं। लोग तंबाकू को मुंह में दबाए रखते

25 साल की रिसर्च के बाद कैट के वैज्ञानिकों और कैंसर विशेषज्ञों को मिली बड़ी उपलब्धि

15 सेकंड में हो जाएगी कैंसर की जांच...इंदौर में बनी मशीन

फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा कल करेंगे इस अनूठी लेजर मशीन का लोकार्पण, 900 से ज्यादा कैसर विशेषज्ञों का शहर में जमावड़ा

इंदौर।

जानलेवा कैंसर के रोगियों की संख्या में जहां इजाफा हो रहा है, वहीं वैज्ञानिक और चिकित्सक इसके कारगर इलाज की खोज में जुटे हैं। इंदौर में एक अनूठी उपलब्धि कैट के वैज्ञानिकों और कैंसर विशेषज्ञों ने अर्जित की है, जो कि उनकी 25 साल की रिसर्च का नतीजा है। एक छोटे आकार की मशीन का आविष्कार किया गया, जो मात्र 15 सेकंड में मुंह और गाल ब्लेडर के कैंसर की जांच कर परिणाम बता देगी। अभी बायोप्सी के लिए चीरा लगाना पड़ता है और जांच रिपोर्ट आने में तीन दिन लगते हैं। इस मशीन का कल शाम फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा लोकार्पण करेंगे। जब वे केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री थे तब इस मशीन पर चल रहे प्रयोगों की जानकारी देखने इंदौर आए थे।

इंदौर में पहली बार 1 से 3 नवम्बर तक कैंसर रोग को लेकर एक बड़ी कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है। अभी तक देश के बड़े-बड़े शहरों में यह कान्फ्रेंस आयोजित होती है। इंदौर में होने वाले इस बड़े आयोजन में 900 देश के जाने-माने कैंसर विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और शोध-पत्र पढ़ने वाले मौजूद रहेंगे। कई कैंसर विशेषज्ञ विदेशों से भी आ रहे हैं। कैंसर केयर इंडिया और जीवीएम द्वारा संयुक्त रूप से इस कान्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ कल शाम राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस टेक्नोलॉजी यानी राजेन्द्र नगर स्थित कैट के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया है। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद, पूर्व केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री तथा फिल्म अभिनेत्री शत्रुघ्न सिन्हा रहेंगे। प्रदेश के स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्री तुलसी सिलावट भी प्रमुख अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ. एमएस गुजराल और सचिव डॉ. सुखविंदरसिंह नैयर ने बताया कि तीन दिन की इस कान्फ्रेंस में यह पहला मौका है, जब इंदौर में कैंसर के इतने विशेषज्ञों का एक साथ जमावड़ा रहेगा। इसमें कैंसर रोग से निपटने और उसके बेहतर इलाज की खोज में जुटे वैज्ञानिकों और देश तथा दुनियाभर में शोध-पत्र प्रस्तुत करने वाले विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे। वर्तमान में कैंसर रोग और उसके उपचार पर किए जा रहे शोधों की जानकारी भी इस कान्फ्रेंस में प्रस्तुत की जाएगी। रविवार को नेहरू स्टेडियम में मिनी मैराथन का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें कैंसर विशेषज्ञ और एनजीओ सहित अन्य लोग शामिल रहेंगे। इस मिनी मैराथन का उद्देश्य कैंसर रोग के संबंध में लोगों को जागरूक करना है। सोमवार को स्टेम सेल ट्रांसप्लांट से लेकर अन्य इलाज की तकनीकों पर चर्चा होगी।

बढ़ती जा रही है कैंसर मरीजों की तादाद

एमवाय अस्पताल के परिसर में संचालित कैंसर अस्पताल में हर महिने 4 हजार नए मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे है। डॉक्टर आर्य के अनुसार यह आंकड़ा सिर्फ यहां पर इलाज कराने वालों का है। बाकि अन्य निजी अस्पतालों में भी हजारों मरीज इलाज करा रहे है। मुख्य वजह बाजार में मिलने वाले मिलावटी खाद्य पदार्थ, मिलवटी तेल, सिंथेटेक्स, केमीकल डिर्टजेन्ट से बनने वाले दूध, मावा, घी के अलावा जहरीली सब्जीयां व फल है।

No need for biopsy, now get oral cancer detected within minutes

RRCAT's New Device Is Ready For Commercial Launch

TIMES NEWS NETWORK

Indore: Raja Ramanna Centre for Advanced Technology (RRCAT) Indore did it — no more going through the perilous process of getting a biopsy done and waiting anxiously for days to get report confirming whether the patient has cancer or not. Now get oral cancer detected within minutes even at early stage with first-of-its-kind commercially viable portable machine devised by research scholars of Indore's shrine of science.

RRCAT scientists took around three decades to come up with the device and it has been worth the wait. Desired results were achieved after testing it on thousands of patients in renowned hospitals of the country, only after which it was officially inaugurated on Friday by Bollywood star and former Union minister of health and family welfare Shatrughan Sinha.

OncoDiagnoScope, as they have named it, is a compact light emitting diode (LED) based optical spectroscopic diagnostic system. Dr Shovan K Majumder, head of Laser Bio-Medical Applications Division – RRCAT said that research and development for early detection of oral cancer through optical spectroscopic diagnostic system started at RRCAT in early 90s and it took around three decades for successful commercial launch.

"The light reflected from tissues is deciphered by diagnostic tool attached to a laptop through specially designed software. To find out if a person is suffering from oral cancer, the device is put into mouth. The device shows results on a computer tablet monitor within 15 minutes. It can give up to 80 per cent correct results on possibility of oral cancer in a person," Dr Majumder said.

He claimed that currently, the only definitive method to determine cancer is through histopathological examinations of biopsied tissues from suspected site, which is costly and invasive unlike this invention and subject to random sampling errors and is therefore not an ideal screening method. "The portable device can be carried anywhere due to its small size. The technology has been transferred to Applied Optical Technologies Private Limited, which is manufacturing it for commercial use," said the scientist, adding that data to detect cervical cancer using the same technology of the machine is underway and soon the machine will get an 'upgrade' for early detection of both types of cancer.

Deven Bussa, an official from Applied Optical Technologies Private Limited, told TOI, "The machine will cost around Rs 7 lakh. Unlike other countries, tobacco consumption is comparatively high in India and is one of the main reasons behind oral cancer. We are manufacturing this portable device, which is likely to be renamed, first to cover India especially in remote areas to help early detection of the disease".

On the occasion, oncologist Dr SS Nayyar said, "There are around 5 lakh people in India suffering from oral cancer while around 4 lakh women have cervical cancer. In absence of early detection the treatment failed to yield good results but the said invention is now expected to help saving more lives".

DIAGNOSIS ON THE MOVE

- Before commercial launch, machine was clinically tested by doctors in camps and at Tata Memorial Hospital for couple of years
- The first prototype developed for in-vivo studies was a trolley-based setup
- RRCAT scientists are hopeful of giving an 'upgrade' to the machine to help early detection of cervical cancer
- The machine is non-invasive, more accurate and can diagnose cancer in few minutes

Shatrughan Sinha at the RRCAT programme organized on Friday

- Oral cancer is most common cancer in India amongst men (11.28 per cent of all cancers) and fifth most frequently occurring cancer amongst women (4.3 per cent of all cancers)
- Cervical cancer is most frequent cancer in women in India and approximately 365 million women above 15 years of age are at risk

"We used the machine on many suspected patients and the results were good. It takes only a few minutes to examine the patient. Early detection of oral cancer with the real time results helps in starting of treatment immediately and increases chances of survival to a great extent

Dr SS Nayyar | SENIOR ONCOLOGIST

"The machine will prove to be a boon in checking mortality rate of oral cancer as it helps in early detection of cases. It's a non-invasive, cost effective and portable device, which will be more helpful in detecting cases in remote areas of the country. We are working on a similar machine to detect early stage of cervical cancer, which is expected to be out for commercial usage in a year

Dr SK Majumder | SCIENTIST, RRCAT

900 experts unite in fight against cance

TIMES NEWS NETWORK

ndore: Indian Society of Onology and Indian Society of edical and Pediatric Oncogy on Friday organized a ree-day conference based n 'Cancer in Indian Subconnent – How to Manage Beter', where about 900 experts om US, UK, Bangladesh, Nel, Bhutan, UAE and other ountries from across the glo be participated and shared knowledge and use of technologies to help provide better treatment.

"The conference aims to teach the oncologists about new technologies, researches and better techniques to treat cancer. On Day 1, many sessions of debates and discussions were held under the monitoring of the experts' panel to help enhancing knowledge of participants," organizing committee's president Dr MS Gujral said.

Dr Jayesh D Patel (Ahmedabad) said that cancer claims around 10 lakh lives in India while 15-18 lakh new cases surface annually. Currently, around 60 lakh Indians are suffe

3-DAY CONFERENCE

while awareness can control it to a great exte added that governmen uld make health edu compulsory above Clas

Dr K Govind Babu (luru) said that though reasons of cancer are known but western l including that consu of fast food, smokin

tions Division – RRCAT said that research and development for early detection of oral cancer through optical spectroscopic diagnostic system started at RRCAT in early 90s and it took around three decades for successful commercial launch.

"The light reflected from tissues is deciphered by diagnostic tool attached to a laptop through specially designed software. To find out if a

...up to 80 per cent correct results on possibility of oral cancer in a person," Dr Majumder said.

He claimed that currently the only definitive method to determine cancer is through histopathological examinations of biopsied tissues from suspected site, which is costly and invasive unlike this invention and subject to random sampling errors and is therefore not an ideal screening method. "The portable

...cal Technologies Private Limited, which is manufacturing it for commercial use," said the scientist, adding that data to detect cervical cancer using the same technology of the machine is underway and soon the machine will get an 'upgrade' for early detection of both types of cancer.

Deven Bussa, an official from Applied Optical Technologies Private Limited, told TOI, "The machine will cost around Rs 7 lakh. Unlike other countries, tobacco con-

...main reasons behind cancer. We are manufacturing this portable device, which is likely to be remained first to cover India especially in remote areas to help early detection of the disease".

On the occasion, oncologist Dr SS Nayyar said, "There are around 5 lakh people in India suffering from oral cancer while around 4 lakh women have cervical cancer. In absence of early detection, the treatment failed to yield good results but the said invention is now expected to help saving more lives".

900 experts unite in fight against cancer

Times News Network

Indore: Indian Society of Oncology and Indian Society of Medical and Pediatric Oncology on Friday organized a three-day conference based on 'Cancer in Indian Subcontinent – How to Manage Better', where about 900 experts from US, UK, Bangladesh, Nepal, Bhutan, UAE and other countries from across the globe participated and shared knowledge and use of technologies to help provide better treatment.

"The conference aims to teach the oncologists about new technologies, researches and better techniques to treat cancer. On Day 1, many sessions of debates and discussions were held under the monitoring of the experts' panel to help enhancing knowledge of participants," organizing committee's president Dr MS Gujral said.

Dr Jayesh D Patel (Ahmedabad) said that cancer claims

3-DAY CONFERENCE

around 10 lakh lives in India while 15-18 lakh new cases surface annually. Currently, around 60 lakh Indians are suffering from the deadly disease while awareness can help control it to a great extent. He added that government should make health education compulsory above Class 5.

Dr K Govind Babu (Bengaluru) said that though many reasons of cancer are yet to be known but western lifestyle including that consumption of fast food, smoking and taking alcohol are the main reasons behind causing cancer.

...dard

...ate

MPCA offers discount on Test tickets to students

Times News Network

first time we have opened online tickets for students so that they can get

Notices issued over illegal construction in Khajrana